

॥ श्री महालक्ष्मी अष्टोत्तर शतम् ॥

वन्दे पद्मकरां प्रसत्रवदनां सौभाग्यदां भाग्यदां । हस्ताभ्यामभयप्रदां मणिगणैः नानाविधैः भूषिताम् ।
भक्ताभीष्ट फलप्रदां हरिहर ब्रह्माधिभिस्सेवितां । पार्श्वं पङ्कज शङ्खपद्म निधिभिः युक्तां सदा शक्तिभिः ॥
सरसिज नयने सरोजहस्ते ध्वल तरांशुक गन्धमाल्य शोभे । भगवति हरिवल्लभे मनोजे त्रिभुवन भूतिकरि प्रसीदमह्यम् ॥

| | | |
|-------------------------|--------------------------|----------------------------------|
| ॐ प्रकृत्यै नमः | ॐ धर्मनिलयायै नमः | ॐ शुक्लमाल्याम्बरायै नमः |
| ॐ विकृत्यै नमः | ॐ करुणायै नमः | ॐ श्रियै नमः |
| ॐ विद्यायै नमः | ॐ लोकमात्रे नमः (40) | ॐ भास्कर्यै नमः |
| ॐ सर्वभूतहितप्रदायै नमः | ॐ पद्मप्रियायै नमः | ॐ बिल्वनिलयायै नमः |
| ॐ श्रद्धायै नमः | ॐ पद्महस्तायै नमः | ॐ वरारोहायै नमः |
| ॐ विभूत्यै नमः | ॐ पद्माक्ष्यै नमः | ॐ यशस्विन्यै नमः (80) |
| ॐ सुरभ्यै नमः | ॐ पद्मसुन्दर्यै नमः | ॐ वसुन्धरायै नमः |
| ॐ परमात्मिकायै नमः | ॐ पद्मोद्भवायै नमः | ॐ उदाराङ्गायै नमः |
| ॐ वाचे नमः | ॐ पद्ममुख्यै नमः | ॐ हरिण्यै नमः |
| ॐ पद्मालयायै नमः (10) | ॐ पद्मनाभप्रियायै नमः | ॐ हेममालिन्यै नमः |
| ॐ पद्मायै नमः | ॐ रमायै नमः | ॐ धनधान्य कर्यै नमः |
| ॐ शुच्यै नमः | ॐ पद्ममालाधरायै नमः | ॐ सिद्धये नमः |
| ॐ स्वाहायै नमः | ॐ देव्यै नमः (50) | ॐ स्तैरण सौम्यायै नमः |
| ॐ स्वधायै नमः | ॐ पद्मिन्यै नमः | ॐ शुभप्रदायै नमः |
| ॐ सुधायै नमः | ॐ पद्मगच्छिन्यै नमः | ॐ नृपवेशम गतानन्दायै नमः |
| ॐ धन्यायै नमः | ॐ पुण्यगन्धायै नमः | ॐ वरलक्ष्म्यै नमः (90) |
| ॐ हिरण्मय्यै नमः | ॐ सुप्रसन्नायै नमः | ॐ वसुप्रदायै नमः |
| ॐ लक्ष्म्यै नमः | ॐ प्रसादाभिमुख्यै नमः | ॐ शुभायै नमः |
| ॐ नित्यपुष्टायै नमः | ॐ प्रभायै नमः | ॐ हिरण्यप्राकारायै नमः |
| ॐ विभावर्यै नमः (20) | ॐ चन्द्रवदनायै नमः | ॐ समुद्र तनयायै नमः |
| ॐ अदित्यै नमः | ॐ चन्द्रायै नमः | ॐ जयायै नमः |
| ॐ दित्यै नमः | ॐ चन्द्रसहोदर्यै नमः | ॐ मङ्गलायै नमः |
| ॐ दीप्तायै नमः | ॐ चतुर्भुजायै नमः (60) | ॐ देव्यै नमः |
| ॐ वसुधायै नमः | ॐ चन्द्ररूपायै नमः | ॐ विष्णु वक्षःस्थल स्थितायै नमः |
| ॐ वसुधारिण्यै नमः | ॐ इन्द्रिरायै नमः | ॐ विष्णुपत्न्यै नमः |
| ॐ कमलायै नमः | ॐ इन्दुशीतुलायै नमः | ॐ प्रसन्नाक्ष्यै नमः (100) |
| ॐ कान्तायै नमः | ॐ आह्लोदजनन्यै नमः | ॐ नारायण समाश्रितायै नमः |
| ॐ कामाक्ष्यै नमः | ॐ पुष्ट्यै नमः | ॐ दारिद्र्य धंसिन्यै नमः |
| ॐ क्रोधसम्भवायै नमः | ॐ शिवायै नमः | ॐ सर्वोपद्रव वारिण्यै नमः |
| ॐ अनुग्रहपरायै नमः (30) | ॐ शिवकर्यै नमः | ॐ नवदुर्गायै नमः |
| ॐ ऋद्धये नमः | ॐ सत्यै नमः | ॐ महाकाल्यै नमः |
| ॐ अनघायै नमः | ॐ विमलायै नमः | ॐ ब्रह्म विष्णु शिवात्मिकायै नमः |
| ॐ हरिवल्लभायै नमः | ॐ विश्वजनन्यै नमः (70) | ॐ त्रिकाल ज्ञान सम्पत्रायै नमः |
| ॐ अशोकायै नमः | ॐ तुष्ट्यै नमः | ॐ भुवनेश्वर्यै नमः (108) |
| ॐ अमृतायै नमः | ॐ दारिद्र्य नाशिन्यै नमः | |
| ॐ दीप्तायै नमः | ॐ प्रीतिपुष्करिण्यै नमः | |
| ॐ लोकशोक विनाशिन्यै नमः | ॐ शान्तायै नमः | |

लक्ष्मीं क्षीरसमुद्रराज तनयां श्रीरङ्गधामेश्वरीम् । दासीभूत समस्तदेव वनितां लोकैक दीपाङ्कुराम् ॥
श्रीमन्मन्द कटाक्ष लब्ध विभवद्-ब्रह्मेन्द्र गङ्गाधराम् । त्वां त्रैलोक्य कुटुम्बिनीं सरसिजां वन्दे मुकुन्दप्रियाम् ॥ 15 ॥